

500Rs



卷之三

*5-20
LAWRENCE*

~~100~~ 500 1100 H 28—

~~100~~ - 100 = ~~100~~ - 100 = ~~100~~

2-3 P.M. 2-1

100-1188

13000 3000 2000 1000

ବିଶ୍ୱାସ କରିବାରୀ ମନ୍ଦିର ।

—
—

देवानगरी शब्दिका ४—
देवानगरी शब्दिका ४—

१० अक्टूबर, १९४७

ପିତା ? କୁମା ବିହୋରୀ ଗାଁରୀ
ଶ୍ରୀ କୃତେଶ କୁମାର ପାତ୍ର

ମାତ୍ରାବୁ ପିଲ୍ଲା, କଥାରୀ ରାଜନୀତି
ମାତ୍ରାବୁ ପିଲ୍ଲା, କଥାରୀ ମୁଖ୍ୟ
ମାତ୍ରାବୁ ପିଲ୍ଲା, କଥାରୀ ମୁଖ୍ୟ

ପାନୀ ଯାଇଲୁଛି ।

কালাপাতা ৭০০০৩২। মাসা পুর্ণিমা ১

କଣ୍ଠ ବିଶ୍ଵରୂ ଦୀପିତ୍ତ ନାମି ଦୁଃଖ ବିଲିଙ୍ଗ ପୁଣ୍ୟ ବାନ୍ଧାଦ

क्षमदरण १२५० नाड काठे रात्रु छोब लागि लागिरु शोक विलय द

S156 (B)

Mr. Paper Loka
Bath Chapman Road East
S156
3/2/86

S156 (B) 500L

200L

200L

75L

20L

200Rs.



- 2 -

卷之三

३५ शिरों बाईचाले १-

କେତେ ୧୪ ଏକାଶରୀ ଗୋଟିଏ ହାତିମୁଖୀଙ୍କୁ ନବବୃଦ୍ଧାଲୁଟି ଅଳିଗ ଜାତେକ
ବାହୁଦୀଙ୍କୁ ଯାଏ କୌବାହୁଙ୍କୁ କର୍ତ୍ତାଙ୍କ ଏକାଶରୀ ନମନବନ୍ଧୁ ସାଥେରେ କର୍ତ୍ତାଙ୍କ କାହାରୁ
ବୁଝିଲୁଛି ଏବେ ୧୩ ମେ ୧୯୫୫, ଡ୍ରେଫ୍ଟସାଂଗ ମେ ୧୯୯, ଉତ୍ତରମୌରୀରୁ ୧୯୯ ୧୯୯ ମେ
ଅଭିଭ୍ୟାବ କୁଣ୍ଡ ୧୨୦, ୧୨୧, ୧୨୨ ନାମେରୁ ଶିଖିତ ୧- ୪୦ ମତକ ହାଟିମକ କୁଣ୍ଡ
କୁଣ୍ଡ ଜାତୀୟୀରୁ ବନ୍ଦିଳ କୁଣ୍ଡ ଦୃଷ୍ଟିମାଲିମ୍ ନାମାତି ଶାତେ କିମି ଉଚ୍ଚାରତ କାଳ
କୁଣ୍ଡ ନାମିକାରୁ ଯାହା ଏକାଶରୀ ବୈହାରୁ ସମ୍ବନ୍ଧ କୌବାହୁ ବିଲୋପ ପ୍ରଯୋଗମ ହେବୁ -
କାହାରୁ ବନ୍ଦିଳ କୁଣ୍ଡ ନାମିକୁ ନାମାତି ବିଶେଷ କର୍ତ୍ତାଙ୍କ ହାତିମା ବନ୍ଦିଳ
କୁଣ୍ଡଙ୍କୁ ନିରାଶୀ ହାତୁାର କୁଣ୍ଡ ଅଳ୍ପରେତୀ ସହାଯତ୍ୟରୁ ଏହି ଅକ୍ଷାବନୀ ଦସବୀ
ଦାଶିଗୁରୁ ନବବୃଦ୍ଧାଲୁଟି ଅଳିଗ କୁଣ୍ଡଙ୍କୁ କୁଣ୍ଡ ୧୯୯ ବରିସୁ ୧୫ ମେ କମ୍ପ୍ୟୁଟର
୧୫ ବୈଦିକ ମେ ନାମେରୁ ଶିଖିତ ୧୨୦୯ ମେ ମାତ୍ରମେ ୧୧୧୦ ନାମ ଏହି କାହା -

P-5158(6)

Sri Paper, Lata

131, Hayfor Head East

2002
8/2/86

Jedaya.

Check
Dated
RECEIVED 1986



W.W.P.
W.W.P.



ରୂପାତ୍ମକ
ବିଷୟ
ମାତ୍ରା
ଦେବତା

ବିଷୟ ହାତାମା ମନ୍ଦିଳ ଶୁଦ୍ଧ ବିନ୍ଦୁ ବିନ୍ଦୁ ହାତା ଶୁଦ୍ଧ ମହାଶିଖାରୁ ଏବା
ଅବଲାଗୁ ୧୨।୧୧।୫୭ ଜାତିର ବାଙ୍ଗାଈପୁରୁ ଦୁଇଲୁଣୀ ପାତିଳ ଚକ୍ରବର୍ତ୍ତୀଙ୍କୁ ୧୯୧୦
ବାହିତ ୮୭ ମୁହଁରୀଥେ ୧୬୧ ହଇଛେ ୧୬୨ ମୁହଁ ପାତାପୁ ପିତିତ ୭୫୬୭, ୧୯୫୭
ଏବଂ ଦୁଇଲୁଣୀଙ୍କୁ ପାତିଳ ଦଶିଳ ଶୁଦ୍ଧ ବ୍ରାହ୍ମି ବିରାମୀ ପରାତ୍ମା ମାତ୍ର ଚକ୍ରବର୍ତ୍ତୀଙ୍କ
ପୁରୁ ବିଷୟ କୁମାର ଚକ୍ରବର୍ତ୍ତୀଙ୍କୁ ୭୧।୧୦ ଲକ୍ଷ ରାମ ମାତ୍ର ବିନ୍ଦୁ ବିଷୟ ଓ
ମହାଶୁଦ୍ଧ ହଦ୍ଦୁଳ । ଉଠିବିଷୟ କୁମାର ଚକ୍ରବର୍ତ୍ତୀ ମହାଶୁଦ୍ଧ କୁମାରୀ ମହାଶୁଦ୍ଧ ବିଷୟ
ହଇଛେ ନାମଶୁଦ୍ଧ ସୁଶୁଦ୍ଧ ହଇପା ଉଠାଇବ ବାଜା ଶୁଦ୍ଧ ମହାଶିଖାରୁ ଏବା ଅବଲାଗୁ -
୧୯୬୨ ମାତ୍ରା ଏବଂ ଚକ୍ରବର୍ତ୍ତୀଙ୍କ ନାତ ବିଷୟ ହାତାମା ମନ୍ଦିଳ ଶୁଦ୍ଧ ଏବା
ଏବଂ ହାତାମା ମାତ୍ରା ମାତ୍ରାକେ ବିଷୟ ବିନ୍ଦୁ ବିନ୍ଦୁ ପିଶ୍ଚକୁ ଶାଶିଖାରୁ
ହଦ୍ଦୁଳ । ଉଠି ହାତାମା ମନ୍ଦିଳ ଶୁଦ୍ଧ ବିନ୍ଦୁଟି ଦୁଇଲୁଣୀ ପାତିଳଙ୍କୁ -
୧୯୧ ବାହିତ ୪୫ ମୁହଁ କାନ୍ଦୁରୀରୁ ୧୫୯ ହଇଛେ ୧୫୦ ପାତାପୁ ପିତିତ ୨୭୫୫ ମୁହଁ
୧୯୬୨ ମାତ୍ରାକୁ ବିଷୟ ହାତାମା ମନ୍ଦିଳ ଶୁଦ୍ଧ ଲିପିବକ୍ରମ ନାତର । ଗନ୍ଧୀ ପାତିଳ

5156 (6)

for Tapas Lake

131 Royden Road East Hackney
London

٢٠٦

ANSWER



24586

75 RS.



७५ रुपये

मिसन कूपात्रु उत्तराखण्डी दिन ३ विष्णु कूपात्रु उत्तराखण्डी दिन ३ विष्णुके १९६२
साले आविष्कृत्वा विजियु गुलबदली दालिलेत २१४ सं ५८ एक चिन्हाल्लुगान
कूपो नाथिल वार्त्ता, शोभात्ते नाथि १२ य० विवाही द्व्यौरी छूङ वाकावन्नात्रु
एष इनाकर्त्ता प्रस्तुत्वा नामात् इनाकर्त्तुमुक्त मिल्लाति वस्तु उत्तराल्लेवानात्रु
सर्व अनुगाम्ये वायात्रु य०४४ १-४० ग्रन्त विष्णु नाथो नाथात्रु ११ १२ ग्रन्त
विष्णु वायात्रु विष्णु वायात्रु वायात्रु वायात्रु वायात्रु वायात्रु वायात्रु
वायात्रु वायात्रु वायात्रु वायात्रु वायात्रु वायात्रु वायात्रु वायात्रु
४५० य० अविष्टान गुड्ल १६२० य० अविष्टान गुड्ल अविष्टान ४-०८ ग्रन्त वायात्रु
१२० साले १६ ग्रन्त अविष्टान गुड्ल अविष्टान गुड्ल अविष्टान १२० साले १६ ग्रन्त वायात्रु
अविष्टान विष्णु वायात्रु वायात्रु वायात्रु वायात्रु वायात्रु वायात्रु विष्णु -
अविष्टान गुड्ल अविष्टान गुड्ल अविष्टान गुड्ल अविष्टान गुड्ल अविष्टान गुड्ल
(अविष्टान) कमठले ०८ ग्रन्त वायात्रु वायात्रु १६२० एक विवाह तिन वायात्रु वायात्रु -
इस्तोत्र वायात्रु वायात्रु वायात्रु ० वायात्रु ५ वायात्रु वायात्रु ,उत्तराल्लेवानात्रु

3156/6
Sri Papaga Lava
Pari Raypur Road East Jodhpur
25/-
2/2/86



3156
2/2/86



— ८ —

क्रिया
विधि
तीक्ष्ण

वाराणसीद्वारा जनरेल ।२५० नात काठा बाबु इटोक आमि विश्वनृष्टि बहिराम
चेपेश्वर कवित्यले देवाखाना शुद्धिका प्राप्तिका नियुक्तगतीद्वारा विभाग नात
विधिक उपर्युक्त नाथ नाथिनी वस्त्राम्बुद्धि नाम रु० शास्त्रां चित्रित काठेल ।२५०
नात काठा बाबु इटोक प्राप्ति आमि देवाखाना ।५००० एकान्त बाबाबु ईबा
मूला बहिराम कवित्यले श्रुत्या आमि देवाखाना नाता ईबाबु बाजार
शिक्षित सर्वोच्च मूला ज्ञात अस्त्रां उभा रु० ।५००० ईबा मूला विश्वनृष्टि
नारायण बहिराम आमि डाक्टर गोप्य नाम्बुद्धि नामा नियुक्त आठाहातक —
नागराम निकौ अटेते बुलिटा नाईया ॥ श्राविति द्वीकावृ नियुक्तगतीद्वारा —
विश्वनृष्टि इटेवे वार्षिक ॥ एवं नाम नाथिनी वस्त्राम्बुद्धि नाम रु० बाबु चित्रित
व नीमामक बन्देल ।२५० नात काठा बाबु इटोक प्राप्ति आमि विश्वनृष्टि
व विश्वनृष्टि अस्त्राम्बुद्धि देवाखा ईबा नाम्बुद्धि एवं नात विश्वनृष्टि देवाखाना
प्राप्ति नाम्बुद्धि विश्वनृष्टि बहिराम ईबाबु अवल नाम्बुद्धि नीमामक गहवाम गूर्ध्वक —
श्राविति विश्वनृष्टि अपनामक बाल नाम्बुद्धि नियुक्त ईबाबु नाम्बुद्धि अस्त्राम्बुद्धि गतिकाम

S/56 (G)

Mr. Dipan Laha
B/o Copper Rd. Ext., Jodhpur

5/7/26

Deemed
Received
Dated



5/7/26

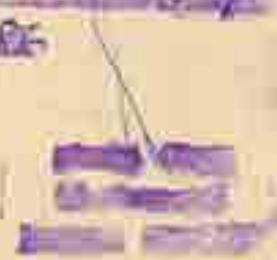


四庫全書

ପୂର୍ବିକ ତିକ୍ଟକାଙ୍ଗେତ୍ର ଜନ୍ୟ ଥାଏନି ମିଶ୍ରମ ଓ ମନୁଷ୍ୟର ହଟୋମାନ ଓହେ ଶ୍ରୀକାରୁ -
ଶ୍ରୀକାଳ ପ୍ରକାରୁ ଓ ଶ୍ରୀକାରୁ କହିଲୁଛନ୍ତି ଯେ ମନ୍ୟ ହଇଲେ ନାମନି ଉତ୍ସବିଜ୍ଞାନ
ମଧ୍ୟରେ ଥାଏନାକୁ ଯାବାଣୀକୁ ମଧ୍ୟ କୁନ୍ଦରୀ ଓ ମାତିକ ନରସିଙ୍କାରୁ ହାତ୍ରୀ -
ମାତିକ କହିଲୁଛନ୍ତି କୁନ୍ଦରୀ ପଞ୍ଜାରୁକୁ ବିଜେତିନିମିଳାନିମୀରୁ କବ ଥାରୀରୁ ନାହିଁ
ପରିବର୍ତ୍ତ ଥାଏନାକୁ ଯାଏ ଏବେ କହିଲୁ ଯଥାବ୍ଦୀତି କହ, ଶ୍ରୀକାଳ ଥାଏନାକୁ
ନାହିଁ, କିମ୍ବା କହିଲୁ ପ୍ରକାଶି ଯାବାଣୀକୁ ଓ ନରସିଙ୍କାରୁ ଅନ୍ତର୍ମାତ୍ର କୁନ୍ଦରୀ ଓ
ବରଗ୍ନାତନ୍ତ୍ରାନ୍ତି କାହାରୁକେ ପୂର୍ବ ଦେଖିଲାନି ଓଡ଼ା କ୍ରିମାନ ଓ ସୁଲାଭିଦିଶ ଏବେଳାଦ୍ୟ
ପରମଗୁରୁରେ ଯନ୍ତିଛାନ୍ତି ମତନ ରତ୍ନମନ୍ଦିର ଓ ସାମରାଜ୍ୟର କହିଲୁ କାହାରେ -
ଥାଏନି କା ଥାଏନାକୁ ଓଡ଼ା କ୍ରିମାନ ଓ ଶ୍ରୀକାଳିଦିଶ ଏବେଳାଦ୍ୟ କେବେ କହାନ ଦିଲ
କହାମନ୍ତର କାହା ଯାଏନି କା ନାହିଁ ନାହିଁ କହିଲୁ କା କାହା ବିଜେ ଗାଁବିର
କା କା ଗାଁବିରବବ କା, କହିଲୁଛେ କାହା ନରସିଙ୍କାରୁକେ ନାଯକୁରୁ -
ଥାଜିଗ ଥିଲୋ କି କହାବାଜାନାମଲିକ ବନ୍ଦରେ ରାଜିଲେ । ଏତରାତ୍ରୀ ଶ୍ରୀକାଳ -
ଶ୍ରୀକାଳ କହିଲୁଛନ୍ତି ଏହ ବିଜ୍ଞାନ ମଧ୍ୟରେ ଇତିହୃଦୟ କାହାରୁରେ ବିକଟ ତିକ୍କାରୁ

2 9155 (8)

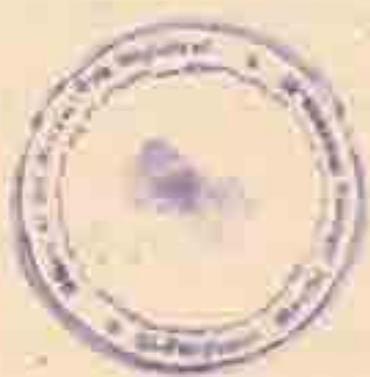
✓ San Pedro Lake
✓ 13/12/85 from road east
✓ 2/1/86 J. Dawson
✓ 8/7/85



✓ 2/1/86
✓ 8/7/85

करना चाहै वा विश्वस्ये ताना छोपकुण घोषित वा गिरित प्रतिक्रिया चाहै तां
का कारबुऽ मिली हैदेव वाचुना बाखल छोप लोका शुक्ल हट्ठि चाहै वा
आमासत् कर्तृक वाकी करवेत् चाहै वा पर्याप्त छोपकुण विदेयोज्ञा चाहै—
चाहै, एवं जारी करवेत् अपारपार्य तरिका कारबुऽ जीविनीकै वा आत्मगोप्य
चाहै लाभवक चाहै वा उदाहरण छोपकुण चार्य वा गिरुन चाहै, उभयन्ति
उपर्योग वा गीत्योग्य वन्धनि वहें उदाहरण छोप अवलोक्य, अवलिम, अलाप
वा अवरु गृह चाहै वन्धनि गत्वात् वारान्तु कर्तृक तर्व वारान्तुनव ग्रुजिष्ठान्तु
अप्य वा अप्य छोप कारुन त्रिवृष्टिगाम वा एकुषेविगाम हय चाहै वा उभय-
कुण छोप अवलिम अलापि चारात् उपर्यु चाहै यु चाहै उदाहरण अप्य छोप
लव्यीक वा लक्षीकारु चाहै ।

ପାଦାରୁ ଉପଚାରୀଙ୍କ ଉଲ୍ଲଙ୍ଘନାକୁ ସମ୍ମାନ କରିବାର ପରିଷଦ ହିନ୍ଦା ବା -
ଅଜ୍ଞାନତା ପ୍ରଦାନିତ ହେଉଥାଏ ଯାଗମାତ୍ର ମୁଣ୍ଡ ପରିଚାଳନା କବାକଟ୍ଟାଗ ହାନି କରେ ବା ହିନ୍ଦ
ମାତ୍ରା ଏବଂ କୁ କାବସ ବାଦ କାହିଁ ପରାମାର୍ତ୍ତ ହୁଏ ତଥା ନାନ୍ଦ ନରମହାକାରୁ ବାକିକ -
ମାତ୍ରେ ଆଶରତନ ଧାର୍ମିକ ଏଥି ଧାରମାକୁ ଯାହା କିମ୍ବୁ କାହିଁ ପରାମାର୍ତ୍ତ ହେଉଥିବ ଉହା -
ନନ୍ଦମ ପରାମାର୍ତ୍ତ ନମ୍ବର କୌଳା ପ୍ରତିଶିଳ୍ପ କୁମ କର ଏକବାଜିଲ ବାଗମାକେ କିମ୍ବୁ ଦିନର -
କୃତ୍ତିମାନ ଓ ମୁଣ୍ଡାତିବିଭିନ୍ନଧାର୍ମରେ ବାହା ବୁଝିଲାଗ । ଭବିଷ୍ୟାତର ଧାରମାକୁ ମୁଣ୍ଡାନି
ପ୍ରଫଳ କରୁଥାଏ ଯାଏ ବା ଉପରକେବୁ ଥୁମ କାହିଁ କମାଟ ଥିଲ ନାହିଁ ପରାମାର୍ତ୍ତ ପରାମାର୍ତ୍ତ
ନନ୍ଦମାନଙ୍କୀ ଦଲିଲ କରୁଥା ଦିବାକୁ ପ୍ରମୋଦନ ହୁଏ ତାହା କାବି ବିନ୍ଦା ପଢନ ମିଳ
ବୁଝାଏ ଓ ଯୁଗାବେଳେ ଓ ମୁଣ୍ଡାତିବିଭିନ୍ନଧାର୍ମରେ କରୁଥା ଦିନର ବାଧା ବାକିଲାନ ଓ ବାକିଲା
ନନ୍ଦମାନଙ୍କୀ ଦଲିଲ କୁମ ନାଲିଲବୁ ଏକାହଳ ବନ୍ଦ ହେଉଥିବ ।



۱۳۷۷/۲۶

এতদর্থে গুৱাপুঁজি নবুৎ মন্তব্য প্রচন্ডভাৱে বিদ্যামুক্তিৰ সুজ্ঞাবে এৰ সমিদেৱ
যৰ্ম নৰাক অৱগত হইয়া মিষ্টেৰ আয়ুধকল পঠনেৰ সমূহসূচী টোকা ইকাণিব -
বুঁধিযুৎ গাঁইযুৎ মাঁগবাঁড়ু প্ৰযুক্তিগুলৈ এৰ মাছ বিশেষ কোৰালা মণিব -
যথাৰ্জীতি বহি সমাদৰ ও দুরুজেষ্টী কুঁড়িযুৎ মিলাব। ইতি ভাৰ ইতিবৃত্তী -
৪ টা শুল্কাবি ১৯৮৬ বাবোৰা ১৯ তপ মাসাবু ১০১০।

তপশিল - বিশেষজ্ঞ সম্পত্তি গুঁড়িযুৎ -

জেলা ২৪ গুৱামাা, কাঠগুৰুটাৰ্কি ২৫১ বৰ্ষ চৌকি শুভল ধাৰা -
চৰানাবুগুত সবচেৱেছুটী লালৰে বাকুলেপুৰ হাল দোনাবুগুত গুৱামা
থেদমখত এমাকাৰ্যীন দৰ এৰ ৫৫, কুঁড়িপুত নিউমিউনিসিপালিটীত -
বনুৰ্বি চৰৌকা কুঁড়িপুত শুাখে হাল দেনটোলৰেনটো ৪৫০ বৰ্ষ বতিয়ান চুৰু -
নিষ্কৰ্ষ চৰৌকাসৰণ শুকুৰ্য দীৰ্ঘা ২৫২০ বৰ্ষ বতিয়াব চুৰু ১০.০৮ কুঁড়ি ধাৰ্যা -
১১০ মাটো ৭৫ শতক মাটো মাদাবু বতিয়া ৩৮ শতক গুড়ি ধাৰা - কুচৰল
১২৫০ রাত কাঠা বাবু ছৌকি বা ১০ শতক লালি ছদি বিশিষ্ট সম্পত্তি -
হইতেছে উৰুৰ বতিয়াবেক বার্ষিক বাহুমা ৮- ০৮ গুৱামা বিশিষ্ট সম্পত্তি -
হাতুৰাহাটি বার্ষিক বাহুমা ১০ গুৱামা গুলিয় বৎস শুলো সুলোৰু গুলে
জেলা ২৪ গুৱামাবু কালেক্টোৰু বাহুমাদুৰুকে সন সম খাসাবু নিষে কুঁড়ি।

বিশিষ্ট সম্পত্তি লালি ছদি হইতেছে, অস্তক উৰাতে -

কুশল উৰুৰ অংশ ও বিদ্যামুক্তি ধাৰচ।



جعفری

سازمان اسناد و کتابخانه ملی

جمهوری اسلامی ایران

कृष्ण
कृष्ण
कृष्ण

ठाँशिं १-

तेजदृष्ट- १२० मास ,
दक्षिण शारदा ,
मुखि १- शारदार्डी ३५० मास ,
दक्षिण शारदा ।

शोकारु बाल -

३९८४८ को, प्रवासी-८७८-२० अक्टूबर- २००८
आप्त- प्रवासी नं. ४५५१४६/५५१५७/८२ शिवार्थी ग्रन्थ अस्त्रालय
२००८-२००९ ०९८- ०९/१८६- १३, ३० दिन,

१५०००

मृ एव रामारु शोका मास -

रामालिला बाल -
Ranajit moham chathupis
छोडोको

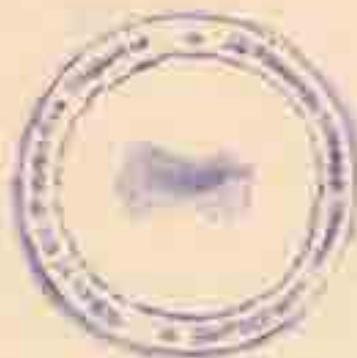
भागिष्ठ जग दहारे,
दिन १००८२७

श्रीली उमिनाथ

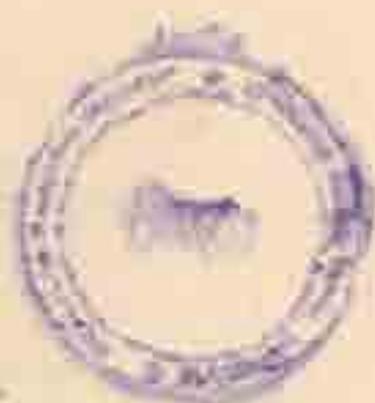
शोकी १-

- १) श्री विकास शाही,
२१३१७ (५, २५, अस्त्रालय द्वारा
कालांक- १२)
- २) श्री विजय शाही -
३२ नं १८ अस्त्रालय द्वारा
कालांक- ११
- ३) देवेश शाही -
६/२२ अस्त्रालय द्वारा
कालांक- ८२

शोकारु -
श्रीलीलारम्भी
भागिष्ठ जग दहारे ।



R. W. M.



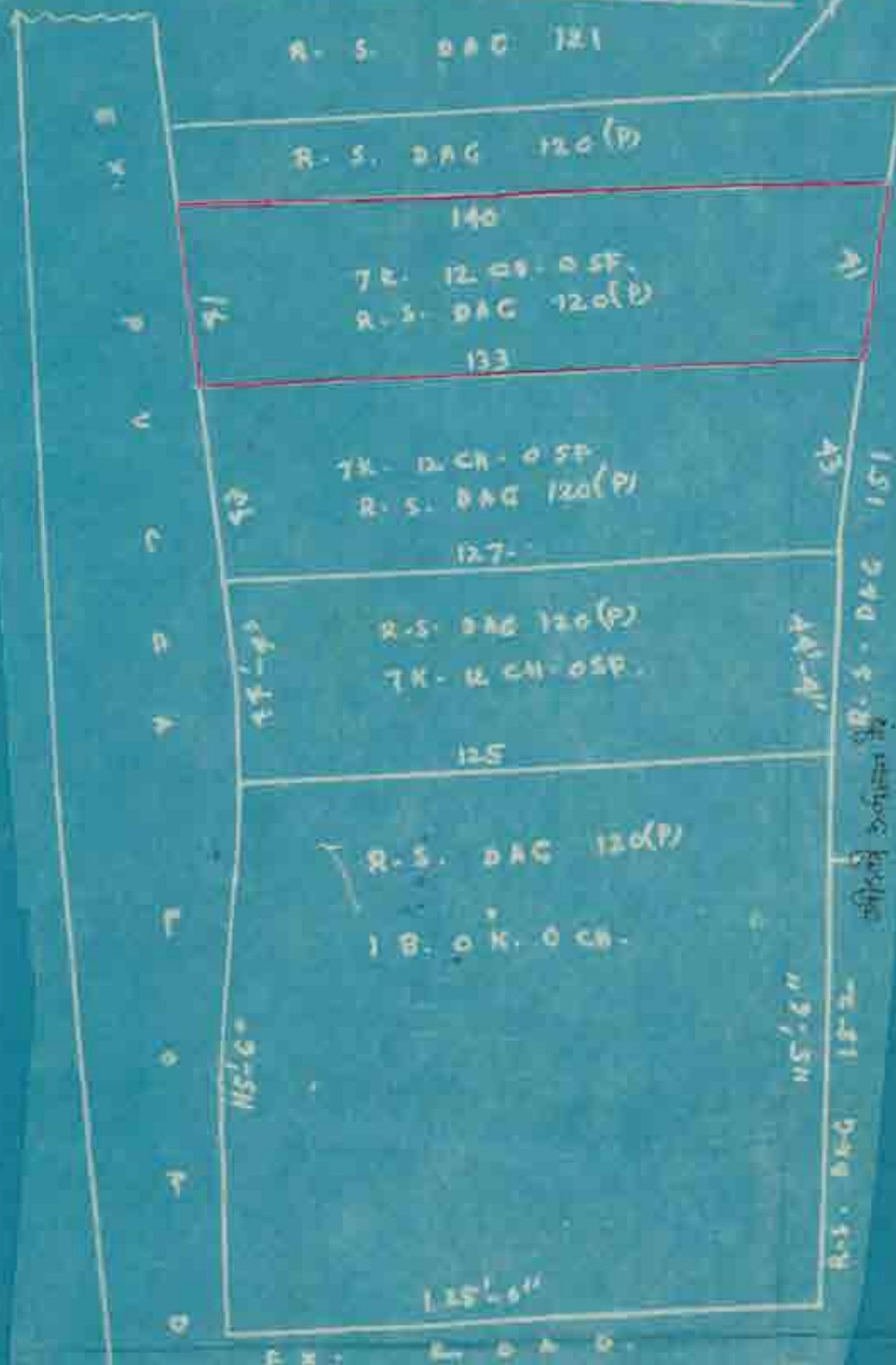
6-5-38

236

三

SITE PLAN OF MOUZA RAJPUR - S.L.S.S. ST. I.
R.S. No. 109, R.S. D.H.C. 120, R.S. SOHAR PUR.
B.T. 24 PCS. SCALE 1:25'. 1"

ONE PORTION SHOWN IN RED.





SEARCHED
SERIALIZED
FILED
MAY 19 1968

LIBRARY
SCHOOL
LIBRARIES

Kentucky
State
Library
1968
12013